CURRICULUM

M. A. ECONOMICS

उद्देश्य (Objectives):

- एम. ए. अर्थशास्त्र कार्यक्रम का उद्देश्य सरल एवं बोधगम्य भाषा में आर्थिक प्रक्रियाओं, नीतियों एवं समस्याओं की जानकारी प्रदान करना है जिससे विद्यार्थी घर बैठे आर्थिक जगत में हो रही हलचल को समझ सकें एवं उसकी सही व्याख्या कर सके।
- दूरस्थ शिक्षा के उद्देश्यों के अनुरूप उच्च गुणवत्ता की अध्ययन सामग्री के साथ-साथ बहु माध्यमों का उपयोग कर शिक्षा से वंचित किन्तु इच्छुक विद्यार्थियों को शिक्षा उपलब्ध कराना।
- विद्यार्थी को बैंकिंग/बीमा/कम्पनियों सांख्यिकी आर्थिक विभाग एवं शिक्षण संस्थाओं में उपलब्ध रोजगार के अवसरों के लिए योग्य बनाना।

प्रवेश योग्यता (Admission eligibility) : किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक (न्यूनतम त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम) उपाधि अथवा समकक्ष

अवधि (Duration) : न्यूनतम 2 वर्ष एवं अधिकतम 4 वर्ष

अध्ययन सामग्री का माध्यम (Medium) : हिन्दी

श्रेयांक (Credit) : 72

शुल्क (Fee) : पूर्वार्द्ध: Rs. 4700; उत्तरार्द्ध Rs.4850

कार्यक्रम संरचना (Programme Structure) : एम.ए. अर्थशास्त्र के पूर्वार्द्ध में कुल चार पाठ्यक्रम होंगे। जबकि उत्तरार्द्ध में कुल पाँच पाठ्यक्रम (प्रश्न पत्र) होंगे। प्रत्येक पाठ्यक्रम 8 श्रेयांक का होगा। विद्यार्थियों को हिन्दी माध्यम में अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराई जाएगी। एम.ए. उत्तरार्द्ध के अन्तिम पाठ्यक्रम निबंध MAEC-09 के लिए कोई अध्ययन सामग्री उपलब्ध नहीं कराई जाएगी। अध्ययन सामग्री केवल हिंदी माध्यम में ही दी जायेगी|

एम.ए.(पूर्वार्द्ध) M.A. (Previous)

क्र.सं	पाठ्यक्रम का नाम (Name of Course)	पाठ्यक्रम कोड (Course Code)	श्रेयांक (Credit)	पाठ्यक्रम उद्देश्य
1.	आर्थिक सिद्धान्त-प्रथम Economic Theory -I	MAEC - 01	8	इस **पाठ्यक्रम की सहायता से विद्यार्थी व्यष्टि अर्थशास्त्र के सिद्धांतों को समझ पाने में सक्षम हो पाएंगे** |
2.	आर्थिक सिद्धान्त-द्वितीय Economic Theory - II	MAEC - 02	8	इस **पाठ्यक्रम की सहायता से विद्यार्थी समष्टि अर्थशास्त्र के सिद्धांतों को समझ पाने में सक्षम हो पाएंगे** |
3.	सार्वजनिक अर्थशास्त्र Public Economics	MAEC - 03	8	इस **पाठ्यक्रम की सहायता से विद्यार्थी सार्वजानिक आय, व्यय एवं ऋण के सिद्धांतों को समझ पाने में सक्षम हो पाएंगे** |
4.	परिमाणात्मक विधियाँ	MAEC-04	8	इस **पाठ्यक्रम की सहायता से विद्यार्थी**

	Quantitative Methods			**सांख्यकीय तकनीकों के प्रयोग को करने में सक्षम हो पाएंगे** |

एम.ए. (उत्तरार्द्ध) M.A. (Final

5.	अन्तर्राष्ट्रीय अर्थशास्त्र International Economics	MAEC - 05	8	इस **पाठ्यक्रम की सहायता से विद्यार्थी** अन्तर्राष्ट्रीय अर्थशास्त्र के विभिन्न नियमों को समझ पाने में **सक्षम हो पाएंगे** |
6.	भारतीय अर्थव्यवस्था का विकास Development of Indian Economy	MAEC - 06	8	इस **पाठ्यक्रम की सहायता से विद्यार्थी** भारतीय अर्थव्यवस्था के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकेंगे |
7.	श्रम अर्थशास्त्र Labour Economics	MAEC - 07	8	इस **पाठ्यक्रम की सहायता से विद्यार्थी** श्रम अर्थशास्त्र के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकेंगे |
8.	क्षेत्रीय आर्थिक विकास एवं नियोजन Regional Economic Development and Planning	MAEC-08	8	इस **पाठ्यक्रम की सहायता से विद्यार्थी** क्षेत्रीय आर्थिक विकास एवं नियोजन के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकेंगे |
9.	* निबन्ध Essay	MAEC-09	8	इस **पाठ्यक्रम की सहायता से विद्यार्थी** पूर्वार्ध एवं उत्तरार्ध की जानकारी की पुनरावर्ती कर सकेंगे

* MAEC-09 की सत्रान्त परीक्षा (मुख्य परीक्षा) में प्रश्नपत्र 100 अंकों का होता है। इस पाठ्यक्रम में कोई सत्रीय/आन्तरिक गृहकार्य नहीं दिया जायेगा। इसमें दो खण्ड होते हैं। खण्ड "अ" में एम.ए. पूर्वार्द्ध के चारों पाठ्यक्रमों में दी गई पाठ्यसामग्री में से कोई पाँच शीर्षक दिये जाते हैं। इनमें से आपको 1000 शब्दों का एक निबन्ध लिखना होता है। इसी प्रकार पाठ्यक्रम के खण्ड "ब" में एम.ए. उत्तरार्द्ध की अध्ययन सामग्री में से पाँच शीर्षक दिये जाते हैं। इनमें से किसी एक शीर्षक पर 1000 शब्दों का एक निबन्ध लिखना होता है। इस प्रकार आपको अपनी पूर्वार्द्ध एवं उत्तरार्द्ध की सम्पूर्ण सामग्री में से दो निबन्ध लिखने हैं।

परीक्षा पद्धति (Examination Pattern)

सत्रीय गृहकार्य: प्रत्येक पाठ्यक्रम (प्रश्नपत्र) में सत्रीय/आन्तरिक गृह कार्य 20 अंकों का होगा। प्रत्येक पाठ्यक्रम(प्रश्नपत्र) में एक सत्रीय/आन्तरिक गृह कार्य करना होगा। सत्रीय/आन्तरिक गृह कार्य पूर्ण करके सत्रांत परीक्षा से पूर्व संबंधित क्षेत्रीय केन्द्र/Online विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित दिनांक से पूर्व जमा करवाना होगा।

सत्रांत (मुख्य) परीक्षा: एम.ए. (पूर्वार्द्ध) एवं एम.ए. (उत्तरार्द्ध) की न्यूनतम अवधि अर्थात् एक वर्ष के बाद विद्यार्थी की प्रत्येक पाठ्यक्रम (प्रश्नपत्र) की तीन घंटे की लिखित परीक्षा होगी। प्रत्येक पाठ्यक्रम (प्रश्नपत्र) की सत्रांत परीक्षा के लिए अधिकतम 80 अंक निर्धारित हैं। प्रत्येक पाठ्यक्रम(प्रश्नपत्र) के दोनों भागों अर्थात सत्रांत परीक्षा एवं स्त्रीय/आन्तरिक गृह कार्य में उत्तीर्ण होने के लिए दोनों में अलग- अलग उत्तीर्णांक 36 प्रतिशत हैं। यदि विद्यार्थी कुछ पाठ्यक्रम (प्रश्नपत्र) को उत्तीर्ण नहीं कर पाया है तो उस पाठ्यक्रम (प्रश्नपत्र) को उत्तीर्ण करने के लिए छः माह बाद होने वाली आगामी परीक्षा में निर्धारित अधिकतम अवधि के अंदर पुनः बैठ सकता है। ध्यातव्य है कि एम.ए. (पूर्वार्द्ध) परीक्षा में कोई श्रेणी नहीं दी जाएगी।

अंक तालिका में सत्रीय/आन्तरिक गृह कार्य एवं सत्रांत परीक्षा के अंकों को अलग-अलग दर्शाया जायेगा। सफल विद्यार्थियों को निम्न तालिका के अनुसार श्रेणी प्रदान की जाएगी-

प्रथम श्रेणी – 60% एवं अधिक

द्वितीय श्रेणी - 48%एवं 60%से कम

उत्तीर्ण - 36% एवं 48%से कम